PUNE PRINT

Publication: Navbharat	**Date:** July 16, 2019
Edition: Pune	**Page no:** 4

8,000 से अधिक जरूरतमंदों को स्किल प्रशिक्षण

मनाया वर्ल्ड यूथ स्किल्स डे

संवाददाता

पुणे. आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ (आईसीआईसीआई फाउंडेशन) द्वारा स्थापित स्किल डेवलपमेंट एकेडमी (आईसीआईसीआई एकेडमी) ने अपने पुणे के सेंटर के माध्यम से 8,000 से अधिक युवाओं को निशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है. वर्ल्ड यूथ स्किल डे के अवसर पर आईसीआईसीआई एकेडमी ने यह जानकारी दी. एकेडमी वंचित युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि उन्हें एक स्थायी आजीविका कमाने में मदद मिल सके.

पुणे में आईसीआईसीआई एकेडमी ने दिलाया रोजगार

अक्टूबर 2013 में अपनी स्थापना के बाद, आईसीआईसीआई एकेडमी ने समूचे देश में 24 सेंटर खोले हैं. एकेडमी का लक्ष्य वंचित युवाओं को 12 विधाओं में प्रासंगिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, जैसे बिक्री कौशल, कार्यालय प्रशासन, विद्युत और घरेलू उपकरणों की मरम्मत, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर की मरम्मत, सेंट्रल एयर कंडीशनिंग, पंप और मोटर मरम्मत, पेंट एप्लीकेशन तकनीक, ट्रैक्टर मैकेनिक, टू और थ्री व्हीलर सर्विस तकनीशियन, रिटेल सेल्स, असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट और होम हेल्थ एड. सभी छात्रों को शिष्टाचार और कलात्मक समझ, संचार, वित्त जैसे विशिष्ट जीवन कौशल में भी निष्णात किया जाता है जो उन्हें संगठित उद्योग के माहौल के अनुकूल बनाने में मदद करते हैं.

■ आईसीआईसीआई अकादमी में प्रशिक्षुओं को पोशाक, भोजन और पाठ्यक्रम से जुड़ी सभी जरूरी सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है. आईसीआईसीआई एकेडमी, क्षेत्र विशेष की जरूरतों के आधार पर कई चैनलों के माध्यम से लक्षित क्षेत्र तक अपनी पहुंच बनाती है. इसमें विभिन्न समुदायों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, राज्य के विभिन्न हिस्सों में युवा परामर्श सत्र की व्यवस्था करना, उम्मीदवारों को संगठित करना, एनजीओ से सहायता लेना, संदर्भों का मूल्यांकन करना और नियोक्ताओं के संदर्भ के साथ उम्मीदवारों के लिए वाक-इन का आयोजन करना शामिल है.

तीन माह का पाठ्यक्रम

■ पुणे में 28 नवंबर, 2013 को स्थापित सेंटर वंचित युवाओं को बिक्री कौशल और कार्यालय प्रशासन में तीन माह का पाठ्यक्रम प्रदान करता है. 18-30 आयुवर्ग की वंचित युवतियां जो कम से कम 12 वीं कक्षा पास हैं, इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकती हैं.

■ एकेडमी ने नॉलेज पार्टनर टैली सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन का पाठ्यक्रम विकसित किया है. पुणे की एकेडमी ने केंद्र में प्रशिक्षित होने वाले छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 80 से अधिक नियोक्ताओं के साथ उद्योग भागीदार के रूप में करार किया है.

रिलायंस, नेक्सा, बजाजा फिनसर्व, पीवीआर, यूरेका फोब्स, क्रोमा और मैजिकब्रिक्स जैसे संस्थानों ने पुणे में एकेडमी के सेंटर से प्रशिक्षुओं की भर्ती की है. एकेडमी ने अब तक अपने सभी योग्य प्रशिक्षित युवाओं को 100 फीसदी प्लेसमेंट प्रदान किया है. स्थापना के बाद से, पुणे में एकेडमी ने 8,000 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है. आईसीआईसीआई एकेडमी के बारे में आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक व आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य अनूप बागची ने कहा कि आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने 2013 में आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स का शुभारंभ किया था ताकि स्थानीय रूप से प्रासंगिक कौशल सिखाते हुए भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा देने में योगदान दिया जा सके.

प्रशिक्षितों में 54 प्रतिशत महिलाएं शामिल

पुणे सेंटर हेड गुरूप्रीत सबरवाल ने बताया कि एकेडमी ने अपने सभी प्रशिक्षित युवाओं के लिए 100 फीसदी प्लेसमेंट हासिल करना जारी रखा है. हमारे प्रयास न केवल युवाओं को वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाते हैं बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को और अधिक जीवंत बनाते हैं. वर्तमान में आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स, आईसीआईसीआई रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आरएसईटीआई) के माध्यम से, हमने 1200 गांवों में 4 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया है जिनमें 54 फीसदी महिलाएं हैं.'

Publication: Sakal	**Date:** July 16, 2019
Edition: All	**Page no:** 2

'आयसीआयसीआय अॅकॅडमी'ने दिले ८ हजार विद्यार्थ्यांना प्रशिक्षण

पुणे : 'आयसीआयसीआय अॅकॅडमी फॉर स्किल्स'ने आठ हजारांहून अधिक गरजू विद्यार्थ्यांना मोफत कौशल्य प्रशिक्षण दिले. आयसीआयसीआय फाउंडेशन फॉर इन्क्लुजिव्ह ग्रोथने या अॅकॅडमीची स्थापन केली आहे. तरुणांना शाश्वत रोजगार मिळण्यास मदत करण्याच्या दृष्टीने अॅकॅडमी गरजूंना व्यावसायिक प्रशिक्षण देते, अशी माहिती जागतिक युवा कौशल्य दिनाच्या निमित्ताने अॅकॅडमीच्या प्रमुख गुरप्रीत सबरवाल यांनी सोमवारी पत्रकार परिषदेत दिली. अॅकॅडमीच्या माध्यमातून विविध ठिकाणी १२ प्रकारच्या कामांचे प्रशिक्षण दिले जाते. विशेष म्हणजे प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या विद्यार्थ्यांमध्ये सुमारे ५० टक्के प्रमाण मुलींचे आहे. या सर्वांना कार्यालय प्रशासन आणि विक्री कौशल्यांबाबत प्रशिक्षण देण्यात आले. प्रशिक्षणाबरोबर प्रशिक्षणार्थींना गणवेश, जेवण व महत्त्वाचे सर्व साहित्य पुरवले जात असल्याचे सबरवाल यांनी सांगितले.